Roll No. ..... [Total No. of Pages : 7

L–8841

LL.B. (Fifth Semester)
EXAMINATION, 2025-26
INTERPRETATION OF STATUES

Time : Two Hours

Maximum Marks : 70

Note : Attempt questions from all Sections as directed.

नोट : सभी खण्डों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section—A
(खण्ड—अ)
(Very Short Answer Type Questions)
(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any *five* questions in maximum **30** words. Each question carries 6 marks. 5×6=30

P. T. O.

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है।

1. Who passes the Acts in India ?

   भारत में अधिनियम कौन पारित करता है ?

2. Define Interpretation.

   निर्वचन की परिभाषा दीजिए।

3. Define Provisos.

   परन्तुक की परिभाषा दीजिए।

4. What do you understand by Preamble ?

   प्रस्तावना से आप क्या समझते हैं ?

5. State whether Dictionaries are aid to Interpretation.

   यह बताइए कि क्या शब्दकोष निर्वचन के सहायक हैं ?

6. Golden rule is the modification of which rule ?

स्वर्णिम नियम किस नियम का रूपान्तरण है ?

7. Explain the rule of Ejusdem Generis.

सजाति अर्थान्वयन का नियम बताइए।

8. Discuss the doctrine of prospective over-ruling.

भविष्यलक्षी सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

9. State the rule of 'Expressio unius est exclusio alterius.'

'एक वस्तु का स्पष्ट उल्लेख दूसरे का अपवर्जन है।'

इस नियम को समझाइए।

10. Define Consolidating Statutes.

समेकनकारी कानून की परिभाषा दीजिए।

Section—B

(खण्ड—ब)

(Short Answer Type Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any *two* questions in maximum **150** words. Each question carries 10 marks. 2×10=20

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अधिकतम **150** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

1. The words of a statute are first understood in their natural or popular sense. Discuss the Literal Rule of Interpretation.

   किसी कानून के शब्दों का अर्थ सर्वप्रथम उनके प्राकृतिक या लोकप्रिय अर्थ में लेना चाहिए। निर्वचन के शाब्दिक नियम की विवेचना कीजिए।

2. Discuss the Mischief Rule with the help of Heydon's case.

   हेडोन प्रकरण की सहायता से रिष्टि का नियम समझाइए।

3. Explain the rule of strict interpretation of penal laws.

   दण्ड कानूनों के कठोर निर्वचन के नियम की व्याख्या कीजिए।

4. Give the meaning of 'doctrine of eclipse' and state as to when it is applied.

   'ग्रहण का सिद्धान्त' क्या है और यह बताइए कि यह कब लागू किया जाता है।

Section—C

(खण्ड—स)

(Long Answer Type Questions)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any *one* question in maximum **300** words. Each question carries 20 marks. 1×20=20

नोट : किसी **एक** प्रश्न का उत्तर अधिकतम **300** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

1. The court should apply the rule of beneficial construction in laws made under Directive Principles of State Policy. Discuss with decided cases.

   न्यायालय को चाहिए कि हितप्रद अर्थान्वयन का नियम उन कानूनों में प्रयोग करे जो राज्य के नीति निदेशक तत्वों के अन्तर्गत पारित किए गए हैं। निर्णीत निर्णयों सहित समझाइए।

2. What are the external aids to interpretation and state whether parliamentary history is aid to interpretation.

   निर्वचन के वाह्य सहयोगी कौन-कौन से हैं तथा यह बताइए कि क्या संवैधानिक इतिहास निर्वचन में सहायक है।

3. What is the 'Doctrine of Pith and Substance' ? Illustrate the cases in which this doctrine is applied.

'सार-तत्व' का सिद्धान्त क्या है ? वे प्रकरण बताइए जिनमें इस सिद्धान्त का प्रयोग किया गया है।

4. Discuss in detail constitutional and ordinary statutes.

संवैधानिक और साधारण कानून की विस्तृत विवेचना कीजिए।

× × × × ×